

१५

शुद्ध
१५

कृत्वा मादाय ॥ आचार्यदक्षिण यविष्ठा कुङ्कुमासनन मधुः
 लंकावयम् ॥ गुर्वनमस्तु ॥ किं नममल यद्विगिष्ठा यदंड
 यासंवत्सरदानशा ॥ अथैवदना ॥ कुर्यात् ॥ वादि ॥ नव
 वक्रवा ॥ धधायक ॥ वादि ॥ अथैवमिधनामाचार्य यावहीव
 वृद्धगवर्ग गवर्गि विद्वदनामय ॥ अथैवनामादिद्विजावही

अथैवनामादिद्विजावही

220

बुद्धत्वं गन्तव्यं निवृत्तिं अमृतं दातुं मत्तुं गच्छति बुद्धत्वं ॥
 अहं मिथं नामायाव जीवं धर्मो गन्तव्यं गच्छामि विना गन्तव्यं
 वनं ॥ यत्तु नामायाव जीवं याव जीवं नागद्वयमाह तादृशव
 शं यत्तु धर्मो गन्तव्यं निवृत्तिं ॥ अहं मिथं नामायाव जीवं स
 धर्मो गन्तव्यं गच्छामि गच्छामि नामायाव ॥ यत्तु नामायाव जीवं

याव जीवं सधर्मो गच्छामि दातुं मत्तुं सवत्तवदा ॥ विनयि ॥
 विनयं वद ॥ नमः धर्मो गच्छामि दातुं मत्तुं सवत्तवदा ॥ विनयि ॥
 यत्तु नामायाव जीवं याव जीवं याव जीवं याव जीवं याव जीवं
 मि ॥ यत्तु नामायाव जीवं याव जीवं याव जीवं याव जीवं याव जीवं
 अहं मिथं नामायाव जीवं अहं मिथं नामायाव जीवं अहं मिथं नामायाव जीवं

धव१ नामाद्रिधदन आवर्जीव मकनक दानयार्थ मकनव ॥
अहमिधनामायावर्जीव काममिथावावात्युतिविनमामि
॥ धव१ नामाद्रिधदन आवर्जीव कामसन्नयइयमकनव ॥
अहमिधनामायावर्जीव मृत्वावादायुतिविनमामि ॥ धव१
नामाद्रिधदन आवर्जीव असत्यरवइयमकनव ॥ अहमि

धनामायावर्जीव मनामन्नय मद्ययमादमूनात्युतिविन
मामि ॥ धव१ नामाद्रिधदन आवर्जीव अगिमिहियादन
धनकायक इयमकन ॥ अन्नयि ॥ अन्नय ॥ अन्नयि ॥
गच्छ ॥ गिथायदादिका डयासक गिथाधनयिकव ॥ वद
दूयम ॥ धव१ धनययकमान ॥ नकः ॥ आचार्याचारिकव ॥ ॥

ग्राचार्यमविदुः ॥ समवाहनं अहमिथेनामां ग्राचार्य
ध्वं ग्राचार्यनाहंयवज्य ॥ हामां धवरनामहिथेदन
ग्राचार्यवदयादन ॥ दिनयि ॥ मरुदयाधायविमवा ॥
दयाधायविदन ॥ समवाहनं अहमिथेनामां दयाधाय
मरुदयवज्य ॥ हामां धवरनामहिथेदन दयाधाय य

वज्यवदनविदन ॥ दिनयि ॥ वलिदियक मधुलविमदन ॥
मिथेनावना निमदन वदनाय लादागिवका ऊनायविय
अदवावण थंकातिनवचक ॥ मिमीननायावकाय ॥ लासान
चनं मारु महन अदवावयानं माद्वय ॥ मरुदयवन वाक १
स था १ स वादागम वादानस माउस वादन डकागनयाय ॥

मादङ्गयव ॥ कामिहानधुता वृजङ्गाय ॥ सुसर्वाद्यायाव निनि
नमेद ॥ वृजङ्गाययय ॥ मृदिका ॥ सखाय ॥ सुमिद्यनक ॥ यवव
वृलनसनानयाय ॥ लालासावईकयन ॥ गुरुसुविनङ्गयून द
रुगृहीता ॥ गानकवा ॥ सुवर्षुखानमदिन ॥ अधिवासथर ॥ य
सयन ॥ धीकादिन ॥ सुययनेद्याय ॥ दसनाधिवासा ॥ यिवसस

इवृय ॥ वज्रघट्टसहिकन ॥ य ॥ मक्काट ॥ शिवदनगता वृजामन
नाय ॥ यमदन ॥ लाथक ॥ ययकीतयाव ॥ मंगलनिकवदय
लुय ॥ यतमङ्गलमकलसतवद्दिष्टिकसा वनधमोक्तावियरा
निसावस्यमहायुखया ॥ कलीगलरुवपुनयनमानिवक ॥ य
धवथायस ॥ अदाव ॥ यवगङ्गाविय ॥ गुरुवसय ॥ सुद्यायि

तुं गृहीनाममानभव ॥ आव गृहीनामन ॥ किंयवज्ञाने
क्षय उदिववीनिनिश्चय गदावकवा ॥ ह्वद्वयनिश्च
य क्ताव ॥ अदमिथनामायावाहीव गृहीनिगयनित्य
आमि यवज्ञालिंगसमादद ॥ थव१नामद्भिर्धन धव
तादताव डयाशकवयोधननय ॥ ननःयवयोविह मा

पुरित्तावकृत्वा यवाज्यह ॥ धनगुग्गुलदानक ॥ विस
हने ॥ धनवृद्धमथुलदानक ॥ डनमारुगवक श्रार्यवृद्ध
मथुलसर्वविघ्नानुद्धन च्छाक विमलत्वादा ॥ मथुल
यकस्थानवाय ॥ स्थानवाय ॥ डेवभावनायवरूपयन्त्रियव
त्वादा ॥ दाक ॥ हं गृहीत्यायवडयथ्यनियवत्वादा ॥ हवन

ॐ नमस्तस्मै वायव्ययुग्मं यन्मिच्छतां ॥ खवस ॥ दीवज्युग्मं
यन्मिच्छतां ॥ धीवन ॥ खं अमायसिद्धाय वज्रयुग्मं यन्मिच्छतां
॥ खवस ॥ नां वाचनाय वज्रयुग्मं यन्मिच्छतां ॥ खव
कानसु ॥ मां मां मयि वज्रयुग्मं यन्मिच्छतां ॥ खवकानर्थव
नं ॥ वायाय पुलाय वज्रयुग्मं यन्मिच्छतां ॥ खवकानर्थव

॥ नौ नालाय वज्रयुग्मं यन्मिच्छतां ॥ खवकानसु ॥ यथायुक्तान
युजा ॥ दुर्ग ॥ बुद्धेर्लोकनाथं नमस्कृत्य नमिष्ये यादृशं साव
धीनं धिर्गमसीद्दीवतं सकलगुणनिधिं धर्ममाजाविष्कृतं
। तृष्णामादाय कान्कालिकलकदम्ब ॥ कामनां ताडित्वं त्वं
धर्माक्षसिद्धयुगमिष्ये नमो सर्वकालं नमामि ॥ भादमव

नामोः थय १ नामस्त्रिर्थाय १ न वेद गिताः नित्ययनदभनय
॥ १० ॥ मां दिवसमुयादायः थनुयाधदिनस ॥ मुयादायः थनुयाध
दिनस ॥ अथनाय ॥ आवडाः ॥ अथवस ॥ वाधिम पुननिख पुन
॥ अथमानथागनमपुल ॥ खपुमइवन वदत्क रुगवन्न राग
वन्नत् ॥ महाकानुलीकः ॥ गवन्ननदयावन्न ॥ सर्वदः ॥ समस्तमिस्थ

विष्ठाका ॥ सर्वदगितः ॥ समस्तसारविष्ठाका ॥ सर्वेकारुयान
कः ॥ समस्त ॥ अथमावकुल ॥ अथयकायकः ॥ खपुनयान ॥ अथ
वायकः ॥ लयसवानदिस्य ॥ भावक्रमजिव ॥ अथुनकाय
कः ॥ भवुन ॥ डलमयायमजिव ॥ गतिदगनगामि ॥ अथनवयु ॥
१ ॥ धियदानामय ॥ थयिगनकथ दिनवदव देवमूय अस्मन्दाका

या इदमसाजामणि बुद्धस्य गणपतर्वंद ॥ ५६ ॥ नमो धर्मगण
 ल ॥ ६० ॥ नमो आर्यधर्मगण ल सर्वो विद्या नुज्ञा भवदाको विमलत्वाद
 ॥ त्वानमस्तु लक्ष्यकी वय ॥ ६० ॥ आर्ययज्ञाय नमिनाय वज्रपुष्पयनि
 यज्ञस्वाहा ॥ दानं ॥ ६० ॥ आर्यगवर्तयज्ञाय वज्रपुष्पयनि यज्ञस्वाहा ॥
 हवनं ॥ ६० ॥ आर्यदशाय वज्रपुष्पयनि यज्ञस्वाहा ॥ रविस ॥

६० ॥ आर्यसमाधिना जाय वज्रपुष्पयनि यज्ञस्वाहा ॥ रविस ॥ ६० ॥ आ
 र्यलकावगनाय वज्रपुष्पयनि यज्ञस्वाहा ॥ रविस ॥ ६० ॥ आर्यसद्वम
 य पुलीकाय वज्रपुष्पयनि यज्ञस्वाहा ॥ रविवक्रमस ॥ ६० ॥ आर्यनय
 नकगुप्तकाय वज्रपुष्पयनि यज्ञस्वाहा ॥ ६० ॥ आर्यलज्जिविरुनाय
 वज्रपुष्पयनि यज्ञस्वाहा ॥ रविवक्रमनथवन ॥ रविवक्रमनथवन ॥ ६०

आर्यभट्टविरचितं स्यात् यवज्ज्योतिषसूत्रम् ॥ जवकुनसा
य (अथ यद्वानपूजा ॥ इति ॥ जासर्वे ह्यन्या नयम्युपसर्गं गाने
द्विषाधावकाह् याम्याधिरयाजगद्विकर्ता लाकनाधर्म्यादे
काः । सर्वाकालमिदं वदंति मुदथा विश्वयया संगताह् अमेः
धातवकवाधिरगतिना बुद्ध्यामातनमः ॥ साहंभवनामाथ

वशनामद्विधं दन । एवं दग्निना निश्चयनं दग्निवया । ॐ मां दिव
समुपादाय धादिन धवानकुद्रुधर्मनाय । जावदाग्राधनम
धर्ममशुलनिवशुलारु । गनपुश्रुमायह्यपावमिगा मशुलवशु
मशवन धधर्मनाय । धर्मगनलंगद्वामि । धर्मलंगनलवदाज
धर्मलंगथिगु । विनागलायवन । वागद्वयमाहा ॐ ध्या धदाव

नादगावर्धंगु धर्षिगुधर्मह्व नमस्तु नयादा ॥ १॥ गङ्गा
सद्यमधुन ॥ ६ ॥ आः सद्यमधुन सर्वविद्यानुवादय च द्वाका वि
मल्ल स्वादा ॥ १ ॥ स्वा नमधुन दयकवाय ॥ ६ ॥ आर्यावला कनक्षना
यवजुप्रथयनियव स्वादा ॥ १ ॥ दान ॥ ६ ॥ मेजीयवजुप्रथयनियव
स्वादा ॥ १ ॥ हवन ॥ ६ ॥ गगल गंजायवजुप्रथयनियव स्वादा ॥ १ ॥

वस ॥ ६ ॥ सम नरुदायवजुप्रथयनियव स्वादा ॥ १ ॥ धेवम ॥ ६ ॥ वजुय
लायवजुप्रथयनियव स्वादा ॥ १ ॥ रुवस ॥ ६ ॥ मरुधायायवजुप्रथ
यनियव स्वादा ॥ १ ॥ खवकुनस ॥ ६ ॥ सर्वनीवजुलाहिसु श्रीनिवजुप्रथ
यनियव स्वादा ॥ १ ॥ खनकुनथवन ॥ ६ ॥ किमिगहायवजुप्रथयनि
यव स्वादा ॥ १ ॥ उवकुनथवन ॥ ६ ॥ खगहायवजुप्रथयनियव स्वादा ॥ १ ॥

॥ अथ वसुधाय नमः ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥
 वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥
 वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥
 वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥
 वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥
 वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥ वसुधा क्विप्सु ब्रह्मणो नमो ॥

(K)
 मधुलनित्यपुदणान् अमासधमधुलखधुमशवनधमा
 नाय अविषनिकवाधिसत्वा संघसनधमिगुमि गलाक
 न अविषनिकवाया मरिगुचनधवाका नादनाव सिद्धचन
 जलायादवागु धधिगुलाकधनवर्त धाधिसत्त्वसंघया मनन
 वदा धधिगुसंघसु गलाकाया उद्धमवागमलित्वं वृ

नयान ॥ ५५ ॥ अजिनयि ॥ नका ॥ अगि ॥ कायदाति ॥ दावयं ॥ ॥
दगसिथा ॥ गुन्या ॥ का ॥ ५५ ॥ ॥ समवाहन ॥ रुडन ॥ नदा ॥ भी ॥ दना ॥ चव ॥
॥ यथा ॥ न ॥ व्या ॥ या ॥ द ॥ न ॥ ॥ य ॥ थ ॥ अ ॥ य ॥ य ॥ व ॥ ॥ नाम ॥ न ॥ ॥ या ॥ व ॥ ह ॥ व ॥ या ॥
॥ अ ॥ दि ॥ या ॥ न ॥ य ॥ दा ॥ य ॥ ॥ अ ॥ व ॥ ह ॥ व ॥ ॥ स्या ॥ य ॥ त्या ॥ य ॥ रा ॥ न ॥ यी ॥ म ॥ न ॥ व ॥ ॥ या ॥
॥ अ ॥ दि ॥ या ॥ न ॥ अ ॥ न्य ॥ नि ॥ वि ॥ न ॥ मा ॥ मि ॥ ॥ स्या ॥ य ॥ त्या ॥ य ॥ न ॥ द ॥ न ॥ ॥ ॥ अ ॥ व ॥ ह ॥ व ॥

थनामा ॥ अ ॥ व ॥ ह ॥ व ॥ ॥ या ॥ अ ॥ दि ॥ या ॥ न ॥ व ॥ न ॥ म ॥ न ॥ ॥ दा ॥ न ॥ ध ॥ त ॥ र ॥ ना ॥ म ॥
॥ दि ॥ थ ॥ द ॥ न ॥ ॥ या ॥ अ ॥ दि ॥ या ॥ न ॥ व ॥ न ॥ म ॥ न ॥ ॥ स्या ॥ य ॥ स ॥ न ॥ य ॥ इ ॥ य ॥ म ॥ य ॥ न ॥ ग ॥
॥ या ॥ म ॥ न ॥ सि ॥ था ॥ य ॥ द ॥ ॥ स ॥ मा ॥ द ॥ द ॥ ॥ अ ॥ व ॥ क ॥ य ॥ द ॥ इ ॥ य ॥ या ॥ इ ॥ न ॥ ॥ अ ॥ व ॥
॥ म ॥ वा ॥ न ॥ ॥ य ॥ ध ॥ म ॥ न ॥ी ॥ ग ॥ न ॥ न ॥ य ॥ा ॥ अ ॥ य ॥ा ॥ अ ॥ द ॥ न ॥ा ॥ सि ॥ क ॥ा ॥ अ ॥ व ॥ ह ॥ व ॥ या ॥
॥ क ॥ म ॥ा ॥ सि ॥ क ॥ा ॥ य ॥ द ॥ इ ॥ य ॥ ॥ अ ॥ नु ॥ सि ॥ था ॥ ॥ अ ॥ य ॥ य ॥ा ॥ या ॥ य ॥ ॥ अ ॥ नु ॥ वि ॥ वि ॥ य ॥ न ॥

धनुर्विद्विषयाय । अनुकनामि द्विधं धर्मकर्मयाय । यथा
आर्यो ब्रह्मज्ञा जावहीव । धार्म्यब्रह्मसर्वं श्रुताय । अदुर्लभा
मननक दानयाय । अवस्यवर्च्यं अचनप्याय । मृगावा
असत्यरक्षाय । नृनामद्युमादसूतं ध्वआदियं अमिमिहि
न । नृत्वा यारुनद्वयं । गीतं मद्राजं । वागीन वाजनधाय

। माला वाकत्वान् । गच्छविनयन न साकनवदनय । व
धुक्धानप । वनिवसुलक्रिय । मुचसयन चासधानी । मद्रा
सयनं खानायनी क्रियादियं । अकानकाजनं वनकानमदयकं
न । ज्ञानवृत्तनजनं लूडाक्षनक्रियं । यन्त्रिकारुयानि विनना
धनिकानादकिनं । चवमवाहं ०० धीनामा जावहीव दाना

धवशनामाद्रिर्धनं जीवनवहनयतां ॥ अदकादानं धनम
नं महानकादानयायं अदकाविशयं ॥ सिद्धायदं समादक्षामि
सिद्धायदं धननयभाग ॥ अदमिर्धनामायावद्भीवं धवश
नामाद्रिर्धनं जीवनवहनयतां ॥ मुनामद्ययमादभूनाह
धनकायवज्जय ॥ धनम ॥ सिद्धायदं दद्याम ॥ अदकावमशस्य

सिद्धायदं धननयभाग ॥ अदमिर्धनामायावद्भीवं इच्छसयन
महासयनं धासवानं रत्नायनं किं आदिवं ॥ सिद्धायदं सम
दद्यामि ॥ सिद्धायदं धननयभाग ॥ अदमिर्धनामायावद्भीवं
नृस्य गीतवागीतं धनमनं धवशनामाद्रिर्धनं जीवनवहन
यतां ॥ यायनश्यं महानं वाहनयायं अदकावणं ॥ सिद्धाय

यदस्मादस्मि जियनिसनयनयभाग ॥ अहमिथनागो
 यावद्दीवं मात्मागच्छविलयनवेनमन यवशमासद्धिर्ध
 नजीवनवरुनयनागो ताकस्वाननमादनयनयगो ॥
 सिधायदस्मादस्मि सिधायदवनयनाग ॥ अहमि
 र्थनामायावद्दीवं जातनूयनऊनयनियदात वेनमन थ

(K)

वरनामाद्धिर्धनजीवनवरुनयनागो नूडाहाननिय
 आनन ॥ सिधायदस्मादस्मि जियनिसनयनयभाग
 यदवनयनाग ॥ निववि ॥ अहमनाह इमाह ॥ दलगनय
 याहना थ ॥ यदस्मादस्मि सिधायदवनयनाग ॥ अहमि
 नया ॥ सिधाय अनागिथ सिधायकानहनग ॥ अनुविधियेह थ

संस्कृत

संस्कृत भाषाविद्वत्सु ब्राह्मणवर्षिता । गङ्गा नदीदयसु बीजा
कन नानासाक पादेषु । तेषां शुक्रानि सुतं नगतां नस्मादा
शय शास्त्रां लीला वदन्त्यः पद्माद्याम् । न साक्षात्पुत्र
को पादेषु ब्रह्मपुत्रा लक्ष्मी यस्याः पदेषु । तस्याः
सयादयिषी चिय लाङ्कानसु रागायाथदयः ॥

२२०

[illegible]

इति नवलीख्यमानपादय ॥ वक्राक्षि आक्षिप्ति यथामात्र स
नमस्दिगन्त ॥ सुस्ति वायन भगवन्तुना ॥ ववयन ययन
यय ॥ गरीवलीयत ॥ वादायनतुनना ॥ नमस्तुयक
॥ इति नवलीख्यमानपादय ॥ वक्राक्षि आक्षिप्ति यथामात्र स
नमस्दिगन्त ॥ सुस्ति वायन भगवन्तुना ॥ ववयन ययन
यय ॥ गरीवलीयत ॥ वादायनतुनना ॥ नमस्तुयक
॥ इति नवलीख्यमानपादय ॥ वक्राक्षि आक्षिप्ति यथामात्र स
नमस्दिगन्त ॥ सुस्ति वायन भगवन्तुना ॥ ववयन ययन
यय ॥ गरीवलीयत ॥ वादायनतुनना ॥ नमस्तुयक

॥ देवाङ्गका अस्तादा ॥ आशुनियाय आययकाशना आयनद
 सावलिविय ॥ यानपायाचकनधाय समनविस्मय यविवका
 यव ॥ धनलि कामालिपूजा धीकालिनमधुलधिलकी स्नान
 मानक ॥ युधुयाय विसर्जन ॥ अक्षयपूजा दक्षणा समन आ
 शिवोद कामालपूजाधाय ॥ धर्मि ०० दियाययाशना ॥ ७ ॥

वृत्तान्त

१ नमावुद्धाय ॥ नकास गुनुमधुल जिसमावि कलसना ॥
 ॥ दक्षपूजा यिवसमुदपायनय ॥ धन वृसदाय झलसारी
 इकाय ॥ स्वसिकस स्नान गुनुमधुलदानक विसर्जन ॥
 स्नाननवचकीरावना ॥ लाहागिबका मुद्रायनिमिनताय ॥
 वलंगनगाय शरुन मयाशालझाय नीनिनसरुयक ॥

माघवद्वन ॥ शुद्धय ॥ मादिकुयक ॥ कामिहसुयका ॥ सीख
चक ॥ डंसवावन ॥ विष्णुधन ॥ सवाहनावना ॥ दयहंसा
॥ धमत्रयदये ॥ धनरुसरवीन ॥ रुकः ॥ धर्मसदेव ॥ दिवाव
स्वाहा ॥ धमत्रयदये ॥ धनया ॥ रुचय ॥ धायाव ॥ विवसमुद
गद्वन ॥ गंधानाय ॥ लंगली ॥ मालिरुग ॥ साजिनय ॥ रुद ॥ सवादे

नाचवनहासमुताविनन ॥ धीनतसीरुव ॥ जिनस्थानिलाविक
स्थ ॥ रुतुङ्गलरुव ॥ रुतुयनमाहिवक ॥ लासावडेकाय ॥ धव
॥ यससान ॥ यवगहिवय ॥ वरुकाय ॥ मादस ॥ नरावाय
॥ गंधाचनन ॥ डंकरुगिबक ॥ रुव ॥ लाहा ॥ लुविनन ॥ रुवक
॥ डंसवावन ॥ रुव ॥ लाहा ॥ अरुन ॥ डंका ॥ यववद्व

समाभिस्वरुवे जिलादयसारुके महाकापनाउनंवितावा ॥ अत्राः
कर्षेण ॥ याद्यादि ॥ निनाअन वरुनगाय ॥ गालचानगाय ॥ मतरुन
गाय ॥ अरुथक येअमृत यचगद्य दिसि ॥ यदीयु अमृत उवाम
दारुल वनमतमाला कायउ ॥ स्वाभाव येअयहानयूडा ॥ दध्वावाद
न ॥ नानचा मतरु ॥ कमीहाथयूडा ॥ यचमृतकायीदार् ॥ धमनलजा

यसायः ॥ अत्रेलादयसारुके महाकाठनाऊरुः स्वाहाः ॥ अयनि
मृगाधिनहान ॥ मऊनेययक वरुद्यष्टनका सरुनलुथ ॥ चरुच
यः ॥ यचायहानयूडा ॥ सतादन ॥ दाक ॥ सधनवलिनवद्य ॥ येवायहा
नयूडा ॥ सतादन ॥ दानमृयनलिन ॥ अगिरुवना ॥ गुरुमुद्धादि गित
नीनयीतान ॥ सा ॥ गालक ॥ मृगाऊतानिवसन ॥ निरुधनग ॥ तह

यथाय कनदा रकुणीकन । सवक्क मूयविष्वा मूनधनं कमलमु । मुः
 योसनमूयल मदाताय मगो गिरावय मगो कर्षे लोदि मड ताय म
 ग्रयस्वाहा । मवायदानयूजा दिवताहृतिः । दहृणा यूयुः । उज्जमा
 नसुश्रुतिवका । मगावात सखाहृति । विसज्जन । मगावदानम्यान
 यविधि । ममशकाल । यथे विधानमगाव । मगावमदानया मगाव ।

नमावद्याय । मसिमाक्कायविष्वा नमाहा । नकस गुनमंउत्त देगु
 लि कलेशयूजा । ममयाय । ॥ धनलि लयल्य डाहायल्यगल्य
 रावना । ॥ उस्वरावशुद्धासवेधमास्वरावशुद्धा इह मूयगीहनव
 जस्वरावात्मका इह । ॥ स्वकावजं विधवज्जुयं जिवादावकं विराव
 ॥ धूय ॥ नितीजन ॥ कमिहाथयूजायाहन गेह्यावकं ह्याव

मसिमाक्काय

वलिसंकायके ॥ गवयग्वान् आदिनकाय खेदिनयके सिंघसन
 विश्वकृष्णाय स्नान लाहाग्निक्रा ॥ यंत्राय दानयूजा ॥ ० ॥
 थनअग्निरावना ॥ यद्मसूत्रो यनियमान् लवलुचतुर्भुजं याग
 कृष्णदण्डकृष्णकारुणिसत्त्वानुगदकानके अमृगाग्निविश्रावयन्
 ॥ अर्ककाष्ठादिविधिवशइत्याम् ॥ ॥ मन्त्र ॥ ॐ अमृगाग्रयस्वाः

५ ॐ वक्रगवजालगंभैर्गं ॥ ॐ वक्रवक्रं मन्त्रध्व ॥

हा ॥ ॥ एवमधिमासा वरुणगमाला यथ्यमाला यधमोयाय
 धियदाय ॥ ताय अकृता एवमधिलय ॥ स्नानगने यधुयाय
 आशीर्वाद विसर्जन ॥ ॥ ॥ यथसमाया त्याकनस् तायमन्त्रध्व ॥
 ॐ नमः समकवद्वानां ॐ मदायत्यग्निनाक्षीषवक्रवल्हिसर्वयन्त्रमन्त्र
 वेधं नन्दुवने वेधवक्रदत्तवेधधनयन्त्रदवाशिनीथनकनवि

इयादिकं चिन्तयति चिन्तयति चिन्तयति चिन्तयति चिन्तयति
॥ ७ ॥ गणकूलकूलधामपीमलु॥ नमानत्तययाय नमः सर्वे वृद्ध
वाधिसत्त्वस्थानमाष्टमहायैयंगलायनमः सययः सययः सययः
सययः गययः । डं डी डी डी डी सर्वनागमनी अनककूलानी वास
किकूलानी गकककूलानी मखयालकूलानी ककोटककूलानी

यदकूलानी महायदकूलानी कूलिककूलानी वलादककूलानी
यधुनीककूलानी घनककूलानी मधकूलानी जलधेवकूलानी जी
मृगकूलानी वसनककूलानी विवावगकूलानी कूमूदकूलानी कला
वकूलानी शोणनिककूलानी । इनः शयनवन्धश्चायनताजयः
त्यसनरीतानारुयेददि । यत्यकासूत्रजलधेवमवगावयवधे

कौनागमचगीकनूरु॥ कनूरु॥ कानायय॥ कनूरु॥ कनूरु॥
 डी॥ कनूरु॥ स्वाहा॥ ७ ॥ नमान्नयया॥ गद्यथा॥ डं॥ लिमि
 लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥
 लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥
 लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥
 लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥ लिमि॥

[illegible]

अ कालिकासूर्यगमयलिनालुवनुमहाकाचकृ
शुद्धद्विनादुददकंभक्तिसुजागसयाद
शक्तिवाचनंयंचमूदकृताशालनाषणमूदयन
रुद्रहसदमूहमालिकांश्वकयेनानाधूना
वनधूसर्वसाखासमाशुक्तंभाऊसिद्धिकददि

म॥सर्वरूपनसंदाजगदधयसादकंविनूम
निचवशुनशामहासम्भवनमामुनयायविश्व
महासूनसर्वोभूतिसदासिद्धकृयाकाठमहाबाद
महासंभवेनमामिः॥धूयकमुकयूनकी
धूशुखानवश्वनसिद्धिलसिगादेकायाधकि

॥
०
॥
॥

स्थकृद्गमनदांतयकसलिवयनयदवगुत्रुधनयामोनका
 कृकृद्इसत्रकुमयजाकावाभगुत्रुमगुलपैत्रगवोसिध
 नयमगुलधिनेत्रवनिद्युयसमाधिकससग्वमतत्रुध
 नियजादवपूजासिधनभासगुत्रुमगुलउन्नकमतपूजा
 प्रधयनाविसकूनससिवाक्षनधनयानत्रुधानकस
 र्दयवाकपूजाभगुलधिनेक्रमार्पेआसिताददरुना

विसेकूनकरुवि

त्रुधयामदनाधर्वममाकामरुविहोसर्वसत्त्वान्
 संगानदेहवर्धन्यनिष्ठापनायप्रवक्तागुरुमंसमदद॥







